हिन्दी

कक्षा - VII पाठ - 7 पापा खो गए

शब्दार्थ

अंग :- शरीर का कोई भाग, जैसे - हाथ, पैर आदि।

आफत :- मुसीबत

तकलीफ :- कष्ट / दुख

चैन :- आराम

स्वप्न :- सपना

इशारा :- संकेत

आश्चर्य :- हैरानी

चिंताग्रस्त :- चिंता से ग्रसित

निराशा :- आशा का नहीं होना

जरूर :- अवश्य

बिलकुल :- एकदम

कोशिश :- प्रयास

Scanned with CamScanner

हिन्दी

कक्षा – VII पाठ – 7 पापा खो गए प्रश्नोत्तर (भाग-1)

प्रश्न - अभ्यास

विजय तेंदुलकर

नाटक से

प्रश्न 1.) नाटक में आपको सबसे बुद्धिमान पात्र कौन लगा और क्यों ?

उत्तर :– नाटक में सबसे बुद्धिमान पात्र हमें कौआ लगा क्योंकि वह उड़-उड़कर सभी घटनाओं की जानकारी रखता है। उसे अच्छे-बुरे लोगों की पहचान है। उसी की सूझ-बूझ के कारण बच्ची उस दुष्ट व्यक्ति के हाथों में जाने से बच जाती है।

प्रश्न 2.) पेड़ और खंभे में दोस्ती कैसे हुई ?

उत्तर :– एक बार जोरों की आँधी आई, खंभा पेड़ के ऊपर गिर पड़ा। पेड़ की एक डाल टूट गई, लेकिन पेड़ ने स्वयं घायल होकर खंभे को गिरने से बचा लिया। इस घटना के बाद खंभे का घमंड टूट गया और दोनों में दोस्ती हो गई।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 3.) लैटरबक्स को सभी लाल ताऊ कहकर क्यों पुकारते थे?

उत्तर :— लैटरबक्स का रंग लाल तथा उम्र में सबसे बड़े होने के कारण सभी उसे लाल ताऊ कहकर पुकारते थे।

प्रश्न 4.) लाल ताऊ किस प्रकार बाकी पात्रों से भिन्न है?

उत्तर :— लाल ताऊ इस प्रकार बाकी पात्रों से भिन्न है कि वह इस नाटक में अकेला ऐसा पात्र है जो पढ़ा-लिखा है।
वह अपने आप में मस्त रहता था। अकेले रहने पर भी भजन गुनगुनाते रहना उसकी आदत थी।

प्रश्न 5.) नाटक में बच्ची को बचानेवाले पात्रों में एक ही सजीव पात्र है। उसकी कौन-कौन सी बातें आपको मजेदार लगीं? लिखिए।

उत्तर :— नाटक में बच्ची को बचानेवाले पात्रों में एक ही सजीव पात्र कौआ है।
उसकी निम्नलिखित बातें हमें मजेदार लगीं :—

Scanned with CamScanner

(1.) उड़-उड़ कर सभी घटनाओं की जानकारी रखना।

(2.) बच्चा चुरानेवाला दुष्ट व्यक्ति को देखकर भूत-भूत कहकर चिल्लाना।

(3.) लड़की को उसके घर तक पहुँचाने की योजना बनाना।

प्रश्न 6.) क्या वजह थी कि सभी पात्र मिलकर भी लड़की को उसके घर नहीं पहुँचा पा रहे थे?

उत्तर:- क्योंकि लड़की बहुत छोटी व अबोध थी। उसे अपने माता-पिता का नाम तथा घर का पता मालूम नहीं था।
यही कारण था कि सभी पात्र मिलकर भी लड़की को उसके घर नहीं पहुँचा पा रहे थे।

Scanned with CamScanner

हिन्दी

कक्षा - VII पाठ - 7 पापा खो गए प्रश्नोत्तर

भाषा की बात

गृह कार्य

प्रश्न 1.) आपने देखा होगा कि नाटक के बीच-बीच में कुछ निर्देश दिए गए हैं। ऐसे निर्देशों से नाटक के दृश्य स्पष्ट होते हैं, जिन्हें नाटक खेलते हुए मंच पर दिखाया जाता है, जैसे – 'सड़क / रात का समय .... दूर कहीं कुत्तों के भौंकने की आवाज।' यदि आपको रात का दृश्य मंच पर दिखाना हो तो क्या-क्या करेंगे, सोचकर लिखिए।

प्रश्न 2.) पाठ को पढ़ते हुए आपका ध्यान कई तरह के विराम चिह्नों की ओर गया होगा।
अगले पृष्ठ पर दिए गए अंश से विराम चिह्नों को हटा दिया गया है। ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उपयुक्त चिह्न लगाइए —

मुझ पर भी एक रात आसमान से गड़गड़ाती बिजली आकर पड़ी थी अरे बाप रे वो बिजली थी या आफ़त याद आते ही अब भी दिल धक-धक करने लगता है और बिजली जहाँ गिरी थी वहाँ खड्डा कितना गहरा पड़ गया था खंभे महाराज अब जब कभी बारिश होती है तो मुझे उस रात की याद हो आती है, अंग थरथर काँपने लगते हैं'

Scanned with CamScanner

उत्तर :- मुझ पर भी एक रात आसमान से गड़गड़ाती बिजली आकर पड़ी थी।
अरे बाप रे! वो बिजली थी या आफ़त।
याद आते ही अब भी दिल धक-धक करने लगता है और बिजली जहाँ गिरी थी, वहाँ खड्डा इतना गहरा पड़ गया था खंभे महाराज। अब जब कभी बारिश होती है तो मुझे उस रात की याद हो आती है, अंग थर-थर काँपने लगते हैं।

प्रश्न 3.) आसपास की निर्जीव चीजों को ध्यान में रखकर कुछ संवाद लिखिए, जैसे —

* चॉक का ब्लैक बोर्ड से संवाद
* कलम का कॉपी से संवाद
* खिड़की का दरवाजे से संवाद

उत्तर :- चॉक का ब्लैक बोर्ड से संवाद :-

चॉक :- आह! यह जीवन भी क्या जीवन है
ब्लैक बोर्ड :- क्या हुआ चॉक भाई।
चॉक :- मुझे तुम पर घिसना अच्छा लगता है क्योंकि जब-जब मुझे शिक्षक / शिक्षिकाएँ घिसने के लिए उठाते हैं मुझे लगता है कि मैं उनका हथियार हूँ। कई बौद्धिक शब्दों का निर्माण मेरे द्वारा होता है।
ब्लैक बोर्ड :- हम दोनों के बिना ही शिक्षण कार्य अधूरा है।

Scanned with CamScanner